M.D.S. University Ajmer

Rajasthani Semester-I

Rajasthani in B.A. Programme

Level	Sem	Course Type & Course Title			Course Code	Delivery Type	Total Hours	Credit			Total Credit	Internal Assessment	End of Sem. Exam.	M.M.
						Lecture		DCC-1	DCC-2	DCC-3		DCC-1		
5	SEM I	DCC-1 **आधुनिक राजस्थानी गद्य साहित्य** (i) कथा साहित्य (ii) निबंध साहित्य **कौशल विकास** (i) अनुवाद कौशल हिन्दी से राजस्थानी, राजस्थानी से हिन्दी (ii) पत्र वाचन	DCC-2	DCC-3	RAJ 5-001	L	90	6 (4+2)	6	6	18	30	70	100
		AEC	Ability Enhancement Course Life skils of Gandhian Studies					2			20			

M.D.S. University Ajmer

Rajasthani Semester-II

Rajasthani in B.A. Programme

Level	Sem	Course Type & Course Title			Course Code	Delivery Type	Total Hours	Credit			Total Credit	Internal Assessment	End of Sem. Exam.	M.M.
						Lecture		DCC-1	DCC-2	DCC-3		DCC-1		
5	SEM II	DCC-1 **आधुनिक राजस्थानी पद्य साहित्य** (i) स्वतंत्रता पूर्व काव्य (ii) स्वातंत्र्योत्तर काव्य **कौशल विकास** (i) राजस्थानी–अलंकार परिचय (ii) शब्द–शक्ति (iii) तत्सम–तद्भव शब्द	DCC-2	DCC-3	RAJ 5-001	L	90	6 (4+2)	6	6	18	30	70	100
		AEC	Ability Enhancement Course					2			20			

M.D.S. University Ajmer

Rajasthani Semester-III

Rajasthani in B.A. Programme

Level	Sem	Course Type & Course Title			Course Code	Delivery Type	Total Hours	Credit			Total Credit	Internal Assessment	End of Sem. Exam.	M.M.
						Lecture		DCC-1	DCC-2	DCC-3				
5	SEM III	DCC-1 **मध्यकालीन राजस्थानी गद्य साहित्य** (i) विविध विषयक वात साहित्य (ii) दीर्घ वात साहित्य **कौशल विकास** (i) राजकीय–कार्यालयी पत्र–प्रारूप लेखन (ii) पत्र वाचन	DCC-2	DCC-3	RAJ 6-001	L	90	6 (4+2)	6 (4+2	6 (4+2	18	30	70	100
		SEC	Selective Enhancement Course					2			20			

M.D.S. University Ajmer

Rajasthani Semester-IV

Rajasthani in B.A. Programme

Level	Sem	Course Type & Course Title			Course Code	Delivery Type	Total Hours	Credit			Total Credit	Internal Assessment	End of Sem. Exam.	M.M.
						Lecture		DCC-1	DCC-2	DCC-3				
6	SEM IV	DCC-1 **मध्यकालीन राजस्थानी काव्य** (i) भक्ति काव्य (ii) नीति काव्य **कौशल विकास** (i) राजस्थानी छंद परिचय (ii) डिंगल–गीत परंपरा (iii) पत्र वाचन	DCC-2	DCC-3	RAJ 6-002	L	90	6 (4+2)	6 (4+2)	6 (4+2)	18	30	70	100
		SEC	Selective Enhancement Course					2			20			

M.D.S. University Ajmer

Rajasthani Semester - V

Rajasthani in B.A. Programme

Level	Sem	Course Type & Course Title			Course Code	Delivery Type	Total Hours	Credit			Total Credit	Internal Assessment	End of Sem. Exam.	M.M.
						Lecture		DSE-1	DSE-2	CEC				
	Sem V	**DSEC-1 (A)** राजस्थानी भाषा एवं साहित्य **कौशल विकास** (i) निबंध लेखन अभ्यास (ii) पत्र वाचन **DSEC-1 (B)** राजस्थानी लोक साहित्य एवं संस्कृति **कौशल विकास** (i) निबंध लेखन अभ्यास (ii) लोक–नाट्य में कठपूतली का प्रशिक्षण प्रारम्भ करना **DSEC-1(C)** राजस्थानी संत साहित्य **कौशल विकास** ((i) निबंध लेखन अभ्यास (ii) पत्र वाचन	DSC-2	DSC-3	7-001A 7-001B 7-001C (any one)	L	90	6 (4+2) 6 (4+2) 6 (4+2)	6 (4+2) 6 (4+2) 6 (4+2)	6 (4+2) 6 (4+2) 6 (4+2)	18 18 18	30	70	100
		Skill Enhancement Course (Pick any Course from the pool of skill enhancement courses min 2 credits)						2			20			

M.D.S. University Ajmer

Rajasthani Semester - VI

Rajasthani in B.A. Programme

Level	Sem	Course Type & Course Title			Course Code	Delivery Type	Total Hours	Credit			Total Credit	Internal Assessment	End of Sem. Exam.	M.M.
						Lecture		DSE-1	DSE-2	CEC				
	Sem VI	DSE-2 (A) लोक एवं ऐतिहासिक राजस्थानी काव्य **कौशल विकास** ((i) निबंध लेखन अभ्यास (ii) पत्र वाचन DSE-2 (B) राजस्थानी रासो काव्य **कौशल विकास** ((i) निबंध लेखन अभ्यास (ii) पत्र वाचन DSE-2(C) राजस्थानी प्रेमाख्यान परंपरा **कौशल विकास** ((i) निबंध लेखन अभ्यास (ii) पत्र वाचन	DSC-2	DSC-3	7-002A 7-002B 7-002C (any one)	L	90	6 (4+2) 6 (4+2) 6 (4+2)	6 (4+2) 6 (4+2) 6 (4+2)	6 (4+2) 6 (4+2) 6 (4+2)	18 18 18	30	70	100
		Skill Enhancement Course (Pick any Course from the pool of skill enhancement courses min 2 credits)						2			20			

MAHARSHI DAYANAND SARASWATI UNIVERSITY

AJMER

SYLLABUS

SCHEME OF EXAMINATION
AND
COURSES OF STUDY

FACULTY OF ARTS

पाठ्यक्रम

B.A.
स्नातक

राजस्थानी साहित्य

बी.ए. सैमेस्टर तृतीय एवं चतुर्थ
बी.ए. सैमेस्टर पंचम् एवं षष्ठम्

महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय
अजमेर

DCC - COURSE CODE RAJ-6-001

बी.ए. राजस्थानी साहित्य

सैमेस्टर – तृतीय (Semester - III Rajasthani)

मध्यकालीन राजस्थानी गद्य

Credit : 06

पाठ्यपुस्तकें एवं अध्ययन क्षेत्र

विशिष्ट अध्ययन

1. मध्यकालीन राजस्थानी गद्य साहित्य का इतिहास – विकास एवं परम्परा– प्रमुख साहित्यकारों का परिचय
2. मध्यकालीन गद्य विधाओं का संक्षिप्त परिचय
3. राजकीय कार्यालयी–पत्र प्रारूप लेखन का अभ्यास–कार्यालय आदेश, परिपत्र, अधिसूचना, निविदा।

पाठ्य पुस्तकें

1. राजस्थानी व़ात संग्रह : (सं.) डॉ. मनोहर शर्मा
   (निर्धारित व़ात : **सातल सोम री वात, जसै सरवहीयै री वात, रेसांमियै री वात,सयणी चारणी री वात, राजा भोज–माघ पिंडत अर डोकरी री वात, सांखलै कंवरसी नै भरमल री वात, वीजड़ वीजोगण री वात, अकल री वात)**
2. **जगदेव परमार री व़ात : (सं.)डॉ. महावीरसिंह गहलोत**

प्रश्न–पत्र एवं अंक योजना

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 70

भाग – 'अ'

भाग 'अ' में 10 लघूत्तरात्मक प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को समेटते हुए – कोई आन्तरिक विकल्प नहीं है, सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं। (शब्द–सीमा 50 शब्द अधिकतम : प्रति प्रश्न) 2 X 10 = 20 अंक

भाग – 'ब'

भाग–'ब' में 10 प्रश्न होंगे। जिनमें से 5 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न हेतु 10 अंक निर्धारित हैं। प्रति प्रश्न शब्द सीमा प्रश्न के साथ अंकित है। 5 X 10 = 50 अंक

इकाई 1 :

प्रश्न सं.–11 'राजस्थानी वात संग्रह' में से सप्रसंग व्याख्या – (निर्धारित वातों के आधार पर)

प्रश्न सं.–12 'राजस्थानी वात संग्रह' में से सप्रसंग व्याख्या – (निर्धारित वातों के आधार पर)

इकाई 2 :

प्रश्न सं.–13 'जगदेव परमार री वात' में से सप्रसंग व्याख्या

प्रश्न सं.–14 'जगदेव परमार री वात' में से सप्रसंग व्याख्या

इकाई 3 :

प्रश्न सं.–15 'राजस्थानी वात संग्रह' पर आधारित एक आलोचनात्मक प्रश्न (अधिकतम शब्द–सीमा : 500 शब्द) (केवल चयनित व़ात)

प्रश्न सं.–16 'राजस्थानी वात संग्रह' पर आधारित एक आलोचनात्मक प्रश्न (अधिकतम शब्द–सीमा : 500 शब्द) (केवल चयनित व़ात)

इकाई 4 :

प्रश्न सं.–17 'जगदेव परमार री व़ात' पर आधारित एक आलोचनात्मक प्रश्न (अधिकतम शब्द–सीमा : 500 शब्द)

प्रश्न सं.–18 'जगदेव परमार री व़ात' पर आधारित एक आलोचनात्मक प्रश्न (अधिकतम शब्द–सीमा : 500 शब्द)

इकाई 5 :

प्रश्न सं.–19 मध्यकालीन गद्य साहित्य की विकास परंपरा से संबंधित प्रश्न (अधिकतम शब्द–सीमा : 500 शब्द)

प्रश्न सं.–20 राजकीय कार्यालयी पत्र लेखन का एक प्रारूप

पाठ्यपुस्तकें

1. **राजस्थानी वात संग्रह** : (सं.) डा. मनोहर शर्मा
   प्रकाशक : साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
2. **जगदेव परमार री व़ात :** (सं.) डॉ. महावीरसिंह गहलोत
   प्रकाशक : राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर

अभिप्रस्तावित ग्रंथ

1. राजस्थानी गद्य साहित्य : उद्‌भव और विकास : डा. शिवस्वरूप शर्मा
2. प्राचीन काव्यों की रूप परंपरा : अगरचंद नाहटा
3. आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना : डॉ. वासुदेवनंदन प्रसाद
   प्रकाशक : भारती भवन, पटना
4. राजस्थानी व्याकरण : डॉ. सोहनदान चारण
   प्रकाशक : राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर

DCC - COURSE CODE RAJ-6-002

बी.ए. राजस्थानी साहित्य

सैमेस्टर – चतुर्थ (Semester - IV Rajasthani)

मध्यकालीन राजस्थानी काव्य

Credit : 06

पाठ्य पुस्तकें एवं अध्ययन क्षेत्र

विशिष्ट अध्ययन

1. मध्यकालीन राजस्थानी काव्य का इतिहास –
   काव्यगत प्रवृत्तियां– भक्ति एवं नीति परक साहित्य – प्रमुख रचनाएं एवं रचनाकार
2. राजस्थानी छंद परंपरा : निर्धारित प्रमुख छंद : दूहा, सोरठा, झमाल, कवित्त, झूलणा एवं डिंगल गीत परंपरा

पाठयपुस्तकें

1 **नागदमण :** सांयाजी झूला : (सं.) मूलचन्द प्राणेश

2 **राजिया रा दूहा :** किरपाराम : (सं.) नरोतमदास स्वामी

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 70

प्रश्न पत्र एवं अंक योजना

भाग – 'अ'

इकाई :

प्रश्न सं.–1 भाग–अ में 10 लघूत्तरात्मक प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को समेटते हुए कोई आन्तरिक विकल्प नहीं है। सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं।

(10 प्रश्न : शब्द–सीमा : 50 शब्द अधिकतम) 2 X 10 = 20 अंक

भाग – 'ब'

भाग–'ब' में 10 प्रश्न होंगे। जिनमें से 5 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न हेतु 10 अंक निर्धारित हैं। प्रति प्रश्न शब्द सीमा प्रश्न के साथ अंकित है। 5 X 10 = 50 अंक

इकाई 1 :

प्रश्न सं.–11 'नागदमण' में से सप्रसंग व्याख्या

प्रश्न सं.–12 'नागदमण' में से सप्रसंग व्याख्या

इकाई 2 :

प्रश्न सं.–13 'राजिया रा दूहा' में से सप्रसंग व्याख्या

प्रश्न सं.–14 'राजिया रा दूहा' में से सप्रसंग व्याख्या

इकाई 3 :

प्रश्न सं.–15 'नागदमण' से सम्बन्धित एक आलोचनात्मक प्रश्न (अधिकतम शब्द–सीमा : 500 शब्द)

प्रश्न सं.–16 'नागदमण' से सम्बन्धित एक आलोचनात्मक प्रश्न (अधिकतम शब्द–सीमा : 500 शब्द)

इकाई 4 :

प्रश्न सं.–17 'राजिया रा दूहा' से सम्बन्धित एक आलोचनात्मक प्रश्न (अधिकतम शब्द–सीमा : 500 शब्द)

प्रश्न सं.–18 'राजिया रा दूहा' से सम्बन्धित एक आलोचनात्मक प्रश्न (अधिकतम शब्द–सीमा : 500 शब्द)

इकाई 5 :

प्रश्न सं.–19 राजस्थानी छंद : दूहा, सोरठा, झमाल, कवित्त, झूलणा : परिचय, विशेषताएं, उदाहरण (अधिकतम शब्द–सीमा : 500 शब्द)

प्रश्न सं.–20 राजस्थानी डिंगल गीत : विशेषताएं एवं परंपरा (अधिकतम शब्द–सीमा : 500 शब्द)

पाठ्यपुस्तकें

1 नागदमण : सांयाजी झूला : (सम्पादक) मूलचन्द प्राणेश
प्रकाशक : भारतीय विद्या मन्दिर शोध प्रतिष्ठान, बीकानेर

2 राजिया रा दूहा : किरपाराम : (सम्पादक) नरोत्तमदास स्वामी
प्रकाशक : सस्ता साहित्य मण्डल, बीकानेर।

अभिप्रस्तावित ग्रन्थ

1. राजस्थानी काव्य की गौरवपूर्ण परम्परा : अगरचन्द नाहटा,
राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
2. परम्परा (शोध पत्रिका) : राजस्थानी मध्यकाल विशेषांक
प्रकाशक : राजस्थानी शोध संस्थान, चौपासनी, जोधपुर
3. रघुनाथ रूपक : (सं) महताब चंद खारेड :
प्रकाशक : साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
4. काव्य के रूप : डॉ. गुलाबराय
5. समीक्षा सिद्धान्त : डॉ. रामप्रकाश
6. राजस्थानी डिंगल गीत – डॉ. नारायणसिंह भाटी, राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर

DEC - COURSE CODE RAJ-7-001-A

बी.ए. राजस्थानी साहित्य

सैमेस्टर – पंचम (Semester - V Rajasthani)

राजस्थानी भाषा एवं साहित्य

Credit : 06

विशिष्ट अध्ययन

1. राजस्थानी भाषा का उद्‌भव–विकास
2. राजस्थानी भाषा, बोलियां, क्षेत्र एवं मानक भाषा
3. राजस्थानी लिपि का विकास
4. राजस्थानी साहित्य की कालगत परम्परा – रचनाएं एवं रचनाकार (प्राचीन काल से लेकर अद्यतन)
5. भाषा कौशल विकास हेतु साहित्यिक विषय में निबंध लेखन का अभ्यास

इस सम्पूर्ण प्रश्नपत्र का सम्पूर्ण अध्ययन राजस्थानी भाषा और साहित्यिक विकास की परम्परा पर आधारित है अतः इस संदर्भ में जितने भी भाषा साहित्येतिहास से जुड़े ग्रंथ हैं वे इस ग्रंथ के आधार एवं अध्ययन स्त्रोत रहेंगे।

नोटः– इस प्रश्न पत्र हेतु किसी पाठ्यपुस्तक का निर्धारण नहीं किया गया है।

निबंध लेखन का अभ्यास भाषा–कौशल विकास के अन्तर्गत होगा।

समय : 3 घण्टे पूर्णांक – 70

प्रश्न पत्र एवं अंक योजना

भाग – 'अ'

भाग 'अ' में 10 लघूत्तरात्मक प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को समेटते हुए – कोई आन्तरिक विकल्प नहीं है सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं। (शब्द–सीमा 50 शब्द अधिकतम प्रति प्रश्न) 2 X 10 = 20 अंक

भाग – 'ब'

भाग–'ब' में 10 प्रश्न होंगे। जिनमें से 5 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न हेतु 10 अंक निर्धारित हैं। प्रति प्रश्न शब्द सीमा प्रश्न के साथ अंकित है। 5 X 10 = 50 अंक

इकाई 1 :

प्रश्न सं.–11 भाषा की विकास परंपरा के सिद्धान्त (शब्द–सीमा : 500 शब्द अधिकतम)

प्रश्न सं.–12 राजस्थानी भाषा उद्‌भव, विकास एवं परंपरा (शब्द–सीमा : 500 शब्द अधिकतम)

इकाई 2 :

प्रश्न सं.–13 राजस्थानी बोलियों का परिचय, क्षेत्र (शब्द–सीमा : 500 शब्द)

प्रश्न सं.–14 भाषायी तत्त्वों पर राजस्थानी का मानक स्वरूप, विशेषताएं (शब्द सीमा 500 शब्द)

इकाई 3 :

प्रश्न सं.–15 प्राचीन राजस्थानी साहित्य : परिस्थितियां, प्रवृत्तियां, रचनाएं एवं रचनाकार (शब्द–सीमा : 500 शब्द)

प्रश्न सं.–16 मध्यकालीन राजस्थानी साहित्य : परिस्थितियां, प्रवृत्तियां, रचनाएं एवं रचनाकार (शब्द–सीमा : 500 शब्द)

इकाई 4 :

प्रश्न सं.–17 आधुनिक राजस्थान गद्य परंपरा – परिस्थितियां, प्रवृत्तियां, रचनाएं एवं रचनाकार (शब्द–सीमा : 500 शब्द)

प्रश्न सं.–18 आधुनिक राजस्थानी काव्य परंपरा – परिस्थितियां, प्रवृत्तियां, रचनाएं एवं रचनाकार (शब्द–सीमा : 500 शब्द)

इकाई 5 :

प्रश्न सं.–19 राजस्थानी भाषा में साहित्यिक विषय से संबंधित निबंध लेखन (शब्द–सीमा : 300 शब्द अधिकतम)

प्रश्न सं.–20 राजस्थानी भाषा में साहित्यिक विषय से संबंधित निबंध लेखन (शब्द–सीमा : 300 शब्द अधिकतम)

<u>अभिप्रस्तावित ग्रन्थ :–</u>

1. राजस्थानी भाषा और साहित्य : मोतीलाल मेनारिया
   प्रकाशक : राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर
2. राजस्थानी भाषा और साहित्य : हीरालाल माहेश्वरी
3. History of Rajathani Literature : H.L. Mahashwari
   Pub. : Sahitya Akademi, New Delhi
4. आधुनिक राजस्थानी साहित्य : प्रेरणा स्त्रोत एवं प्रवृत्तियां : डॉ. किरण नाहटा
   प्रकाशक : चिन्मय प्रकाशन, जयपुर
5. राजस्थानी साहित्य का आदिकाल : (सं.) डॉ. नारायणसिंह भाटी
   प्रकाशक : राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर
6. राजस्थानी साहित्य मध्यकाल : (सं.) डॉ. नारायणसिंह भाटी
   प्रकाशक : राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर

DEC - COURSE CODE RAJ-7-001-B

बी.ए. राजस्थानी

सैमेस्टर – पंचम (Semester - V Rajasthani)

राजस्थानी लोक साहित्य एवं संस्कृति

Credit : 06

विशिष्ट अध्ययन

1. लोक साहित्य के संदर्भ में लोक का अर्थ, परिभाषा, तत्त्व, लोक मानस का स्वरूप एवं विशेषताएं
2. लोक साहित्य का सामान्य परिचय
3. राजस्थानी लोक साहित्य का अध्ययन, वर्गीकरण का आधार एवं विभिन्न विधाएं
4. राजस्थानी लोककथा, लोकगीत, लोक नाट्य एवं लोक गाथा का विशिष्ट अध्ययन
5. राजस्थानी लोक देवी–देवता
6. राजस्थानी संस्कृति के तत्त्व एवं संस्कृति की विशेषताएं
7. राजस्थानी लोक जीवन में व्रत, त्यौहार, उत्सव, मेले, तीर्थ
8. राजस्थानी लोक देवी–देवता, लोक जीवन से जुड़े विषयों पर निबंध लेखन का अभ्यास
9. कौशल विकास के अन्तर्गत लोक नाट्य में कठपूतली नाट्य का प्रशिक्षण प्राप्त करना

इस सम्पूर्ण प्रश्नपत्र का सम्पूर्ण अध्ययन राजस्थानी लोक साहित्य उसकी विभिन्न विधाओं तथा लोक संस्कृति के अध्ययन पर आधारित है। अतः इस संदर्भ में जितने भी ग्रंथ राजस्थानी लोक साहित्य के परिचय, विधाओं के विशेष–विश्लेषण से जुड़े हुए हैं तथा जो ग्रंथ लोक सांस्कृति एवं विभिन्न सांस्कृतिक परम्पराओं से जुड़े हुए हैं वे ग्रंथ ही इस प्रश्न पत्र के अध्ययन के आधार होंगे।

नोटः– इस प्रश्न पत्र हेतु किसी पाठ्यपुस्तक का निर्धारण नहीं किया गया है।

निबंध लेखन का अभ्यास भाषा–कौशल विकास के अन्तर्गत होगा।

समय : 3 घण्टे पूर्णांक – 70

प्रश्न पत्र एवं अंक योजना

भाग – 'अ'

भाग 'अ' में 10 लघूत्तरात्मक प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को समेटते हुए – कोई आन्तरिक विकल्प नहीं है सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं। (शब्द–सीमा 50 शब्द अधिकतम प्रति प्रश्न) 2 X 10 = 20 अंक

भाग – 'ब'

भाग–'ब' में 10 प्रश्न होंगे। जिनमें से 5 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न हेतु 10 अंक निर्धारित हैं। प्रति प्रश्न शब्द सीमा प्रश्न के साथ अंकित है। 5 X 10 = 50 अंक

इकाई 1 :

प्रश्न सं.–11 लोक : परिभाषा, तत्त्व, विशेषताएं, लोकमानस, लोकधर्म (शब्द–सीमा : 500 शब्द अधिकतम)

प्रश्न सं.–12 लोकसंस्कृति : परिभाषा, विशेषताएं एवं परंपरा (शब्द–सीमा : 500 शब्द अधिकतम)

इकाई 2 :

प्रश्न सं.–13 राजस्थानी लोक साहित्य की विशेषताएं, परंपरा (शब्द–सीमा : 500 शब्द)

प्रश्न सं.–14 राजस्थानी लोक साहित्य की विभिन्न विधाएं (शब्द–सीमा : 500 शब्द)

इकाई 3 :

प्रश्न सं.–15 राजस्थानी लोक कथा : वात साहित्य की विशेषताएं, विभिन्न प्रकार एवं स्वरूप (शब्द–सीमा : 500 शब्द)

प्रश्न सं.–16 राजस्थानी लोक नाट्य : स्वरूप, प्रकार, विशेषताएं (शब्द–सीमा : 500 शब्द)

इकाई 4 :

प्रश्न सं.–17 राजस्थानी लोक गीतों की परंपरा विभिन्न लोक गीत, लोक गीतों में संस्कृति, समाज (शब्द–सीमा : 500 शब्द)

प्रश्न सं.–18 राजस्थानी लोकोक्ति साहित्य (शब्द–सीमा : 500 शब्द)

इकाई 5 :

प्रश्न सं.–19 राजस्थानी लोक संस्कृति से संबंधित राजस्थानी भाषा में निबन्ध लेखन (शब्द–सीमा : 300 शब्द अधिकतम)

प्रश्न सं.–20 राजस्थानी लोक देवी देवता से संबंधित राजस्थानी भाषा में निबंध लेखन (शब्द–सीमा : 300 शब्द अधिकतम)

संदर्भ ग्रन्थ :–

1. राजस्थानी लोक साहित्य का सैद्धान्तिक विवेचन : डॉ. सोहनदान चारण
   प्रकाशक : राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर
2. राजस्थानी लोक साहित्य : नानूराम संस्कर्ता
   प्रकाशक : राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर
3. राजस्थानी लोक साहित्य : डॉ. नारायण सिंह भाटी
   प्रकाशक : राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर
4. राजस्थानी साहित्य एवं संस्कृति : डॉ. नन्दलाल कल्ला
   प्रकाशक : राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर
5. राजस्थानी लोक–नाट्य परंपरा और प्रवृत्तियां : डॉ. महेन्द्र
   प्रकाशक : राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर

DEC - COURSE CODE RAJ-7-001-C

बी.ए. राजस्थानी

सैमेस्टर – पंचम (Semester - V Rajasthani)

राजस्थानी संत साहित्य

Credit : 06

विशिष्ट अध्ययन

1. भक्ति का स्वरूप : परिभाषा – भक्ति के प्रकार – सगुण, निर्गुण एवं संत परम्परा
2. राजस्थान की भक्ति परम्परा – सगुण, निर्गुण एवं संत परम्परा
3. राजस्थान के प्रमुख संत
4. राजस्थानी के प्रमुख संत–सम्प्रदाय
5. राजस्थानी संत–साहित्य
6. राजस्थान के सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक एवं साहित्यिक क्षेत्रों में संतों का अवदान
7. प्रमुख सन्तों से जुड़े तीर्थ स्थान

पाठ्यपुस्तकें : राजस्थान में भक्ति के स्वरूप के अध्ययन के साथ–साथ राजस्थान के प्रमुख सन्तों, उनकी परम्परा, संप्रदाय, सन्त–साहित्य का विश्लेषण तथा राजस्थान के सामाजिक, सांस्कृतिक धार्मिक एवं साहित्यिक क्षेत्रों में संतों के योगदान का अध्ययन

नोटः– इस प्रश्न पत्र हेतु किसी पाठ्यपुस्तक का निर्धारण नहीं किया गया है।

निबंध लेखन का अभ्यास भाषा–कौशल विकास के अन्तर्गत होगा।

समय : 3 घण्टे पूर्णांक – 70

प्रश्न पत्र एवं अंक योजना

भाग – 'अ'

भाग 'अ' में 10 लघूत्तरात्मक प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को समेटते हुए – कोई आन्तरिक विकल्प नहीं है सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं। (शब्द–सीमा 50 शब्द अधिकतम प्रति प्रश्न) 2 X 10 = 20 अंक

भाग – 'ब'

भाग–'ब' में 10 प्रश्न होंगे। जिनमें से 5 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न हेतु 10 अंक निर्धारित हैं। प्रति प्रश्न शब्द सीमा प्रश्न के साथ अंकित है। 5 X 10 = 50 अंक

इकाई 1 :

प्रश्न सं.–11 भक्ति–परिभाषा स्वरूप (शब्द–सीमा : 500 शब्द अधिकतम)

प्रश्न सं.–12 राजस्थानी भक्ति साहित्य की परंपरा (शब्द–सीमा : 500 शब्द अधिकतम)

इकाई 2 :

प्रश्न सं.–13 राजस्थानी संत साहित्य की परंपरा (शब्द–सीमा : 500 शब्द अधिकतम)

प्रश्न सं.–14 राजस्थानी संत साहित्य की विशेषताएं (शब्द–सीमा : 500 शब्द अधिकतम)

इकाई 3 :

प्रश्न सं.–15 राजस्थान के प्रमुख संत और संप्रदाय (शब्द–सीमा : 500 शब्द अधिकतम)

प्रश्न सं.–16 राजस्थान के संत साहित्य में ईश्वर की अवधारणा (शब्द–सीमा : 500 शब्द अधिकतम)

इकाई 4 :

प्रश्न सं.–17 राजस्थान के संतों की आध्यात्मिक जगत् को देन (शब्द–सीमा : 500 शब्द अधिकतम)

प्रश्न सं.–18 राजस्थान के संतों का सामाजिक दर्शन एवं वर्तमान परिप्रेक्ष्य में उपादेयता (शब्द–सीमा : 500 शब्द अधिकतम)

इकाई 5 :

प्रश्न सं.–19 राजस्थानी संत संप्रदाय से संबधित किसी एक संप्रदाय पर राजस्थानी भाषा में निबंध (शब्द–सीमा : 300 शब्द अधिकतम)

प्रश्न सं.–20 राजस्थानी संत साहित्य से संबंधित राजस्थानी भाषा में निबंध लेखन (शब्द–सीमा : 300 शब्द अधिकतम)

संदर्भ ग्रन्थ :–

1. राजस्थानी भाषा और साहित्य : मोतीलाल मेनारिया
   राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर
2. राजस्थानी भाषा और साहित्य : हीरालाल माहेश्वरी
3. History of Rajathani Literature : H.L. Mahashwari
   Sahitya Akademi, New Delhi
4. राजस्थान का संत–साहित्य : (सं.) डॉ. वसुमति शर्मा
   प्रकाशक : प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर
5. मध्यकालीन राजस्थान में धार्मिक आन्दोलन : डॉ. पेमा राम
   प्रकाशक : अर्चना प्रकाशन, अजमेर

DEC - COURSE CODE RAJ-7-002-A

बी.ए. राजस्थानी

सैमेस्टर – षष्ठम् (Semester - VI Rajasthani)

लोक एवं ऐतिहासिक राजस्थानी काव्य

Credit : 06

पाठ्यपुस्तकें एवं विशिष्ट अध्ययन

1. प्राचीन राजस्थानी काव्य का अध्ययन
2. लोक एवं ऐतिहासिक राजस्थानी काव्यों का अध्ययन
3. भाषा कौशल विकास के संबंध में राजस्थानी काव्य–दोषों का अध्ययन
4. प्राचीन साहित्यकारों का अध्ययन

समय : 3 घण्टे पूर्णांक – 70

पाठ्यपुस्तकें

1. **ढोला मारू रा दूहा : (सं.) डॉ. रामसिंह, सूर्यकरण पारीक, नरोत्तमदास स्वामी (व्याख्या हेतु छंद सं. 82 तक)**
2. **गोरा बादिल चरित्र : (सं.) मुनि जिनविजय (व्याख्या हेतु छंद सं. 118 तक)**

प्रश्न पत्र एवं अंक योजना

भाग – 'अ'

भाग 'अ' में 10 लघूत्तरात्मक प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को समेटते हुए – कोई आन्तरिक विकल्प नहीं है सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं। (शब्द–सीमा 50 शब्द अधिकतम प्रति प्रश्न) 2 X 10 = 20 अंक

भाग – 'ब'

भाग–'ब' में 10 प्रश्न होंगे। जिनमें से 5 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न हेतु 10 अंक निर्धारित हैं। प्रति प्रश्न शब्द सीमा प्रश्न के साथ अंकित है। 5 X 10 = 50 अंक

इकाई 1 :

प्रश्न सं.–11 'ढोला मारू रा दूहा' (दो छंदों की सप्रसंग व्याख्या) निर्धारित छंद संख्या के आधार पर

प्रश्न सं.–12 'ढोला मारू रा दूहा' (दो छंदों की सप्रसंग व्याख्या) निर्धारित छंद संख्या के आधार पर

इकाई 2 :

प्रश्न सं.–13 'गोरा बादिल चरित्र' में से (दो छंदों की सप्रसंग व्याख्या) निर्धारित छंद संख्या के आधार पर

प्रश्न सं.–14 'गोरा बादिल चरित्र' में से (दो छंदों की सप्रसंग व्याख्या) निर्धारित छंद संख्या के आधार पर

इकाई 3 :

प्रश्न सं.–15 'ढोला मारू रा दूहा' आलोचनात्मक प्रश्न (अधिकतम शब्द–सीमा : 500 शब्द)

प्रश्न सं.–16 'ढोला मारू रा दूहा' आलोचनात्मक प्रश्न (अधिकतम शब्द–सीमा : 500 शब्द)

इकाई 4 :

प्रश्न सं.–17 'गोरा बादिल चरित्र' आलोचनात्मक प्रश्न (अधिकतम शब्द–सीमा : 500 शब्द)

प्रश्न सं.–18 'गोरा बादिल चरित्र' आलोचनात्मक प्रश्न (अधिकतम शब्द–सीमा : 500 शब्द)

इकाई 5 :

प्रश्न सं.–19 प्राचीन राजस्थानी काव्य परंपरा, विकास एवं परंपरा – संक्षिप्त परिचय (अधिकतम शब्द–सीमा : 500 शब्द)

प्रश्न सं.–20 राजस्थानी काव्य के प्रमुख काव्य–दोषों का परिचय उदाहरण सहित (अधिकतम शब्द–सीमा : 500 शब्द)

पाठ्य पुस्तकें :–

1. ढोला मारू रा दूहा : (सं.) डा. रामसिंह, सूर्यकरण पारीक, नरोत्तमदास स्वामी
   प्रकाशक : राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर
2. गोरा बादिल चरित्र : (सं.) मुनि जिनविजय
   प्रकाशक : राजस्थान प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर

अभिप्रस्तावित ग्रन्थ

1. राजस्थानी भाषा और साहित्य : डॉ. मोतीलाल मेनारिया
   प्रकाशक : राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर
2. रघुनाथ रूपक : महताब चंद खारेड, प्रकाशक : साहित्य अकादमी, नयी दिल्ली

DEC - COURSE CODE RAJ-7-002-B

बी.ए. राजस्थानी

सैमेस्टर – षष्ठम् (Semester - VI Rajasthani)

राजस्थानी रासो काव्य

Credit : 06

पाठ्यपुस्तकें एवं विशिष्ट अध्ययन

1. प्राचीन राजस्थानी काव्य का इतिहास : विकास एवं परम्परा
2. राजस्थानी रासो काव्य : परिचय एवं परम्परा
3. प्रमुख राजस्थानी रासो काव्यों का परिचय
4. भाषा कौशल के विकास के संबंध में राजस्थानी काव्य–दोषों का अध्ययन

समय : 3 घण्टे पूर्णांक – 70

पाठ्यपुस्तकें

1. **बीसलदेव रास (संकलित अंश) प्रबंध पारिजात : (सं.) रावत सारस्वत**

प्रश्न पत्र एवं अंक योजना

भाग – 'अ'

भाग 'अ' में 10 लघूत्तरात्मक प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को समेटते हुए – कोई आन्तरिक विकल्प नहीं है सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं। (शब्द–सीमा 50 शब्द अधिकतम प्रति प्रश्न) 2 X 10 = 20 अंक

भाग – 'ब'

भाग–'ब' में 10 प्रश्न होंगे। जिनमें से 5 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न हेतु 10 अंक निर्धारित हैं। प्रति प्रश्न शब्द सीमा प्रश्न के साथ अंकित है। 5 X 10 = 50 अंक

इकाई 1 :

प्रश्न सं.–11 'बीसलदेव रास' में से सप्रसंग व्याख्या

प्रश्न सं.–12 'बीसलदेव रास' में से सप्रसंग व्याख्या

इकाई 2 :

प्रश्न सं.–13 'बीसलदेव रास' में से सप्रसंग व्याख्या

प्रश्न सं.–14 'बीसलदेव रास' में से सप्रसंग व्याख्या

इकाई 3 :

प्रश्न सं.–15 'बीसलदेव रास' आलोचनात्मक प्रश्न (अधिकतम शब्द–सीमा : 500 शब्द)

प्रश्न सं.–16 'बीसलदेव रास' आलोचनात्मक प्रश्न (अधिकतम शब्द–सीमा : 500 शब्द)

इकाई 4 :

प्रश्न सं.–17 प्राचीन राजस्थानी काव्य परंपरा : परिस्थितियां, प्रवृत्तियां, परिचय (अधिकतम शब्द–सीमा : 500 शब्द)

प्रश्न सं.–18 प्राचीन राजस्थानी रचनाएं, रचनाकार : परिचय (अधिकतम शब्द–सीमा : 500 शब्द)

इकाई 5 :

प्रश्न सं.–19 राजस्थानी रासो काव्य परंपरा – परिचय – प्रमुख रचनाएं एवं रचनाकार (अधिकतम शब्द–सीमा : 500 शब्द)

प्रश्न सं.–20 राजस्थानी काव्य के काव्य–दोषों का परिचय उदाहरण सहित (अधिकतम शब्द–सीमा : 500 शब्द)

पाठ्य पुस्तकें :–

1. बीसलदेव रास (संकलित अंश) : प्रबंध पारिजात सं. रावत सारस्वत,
   प्रकाशक : राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर

अभिप्रस्तावित ग्रन्थ

1. राजस्थानी भाषा और साहित्य : डॉ. मोतीलाल मेनारिया
   प्रकाशक : राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर
2. प्राचीन काव्यों की रूप परंपरा : डॉ. अगरचंद नाहटा
   प्रकाशक : राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर
3. रघुनाथ रूपक : (सं.) महताब चंद खारेड,
   प्रकाशक : साहित्य अकादमी, नयी दिल्ली

DEC - COURSE CODE RAJ-7-002-C

बी.ए. राजस्थानी

सैमेस्टर – षष्ठम् (Semester - VI Rajasthani)

राजस्थानी प्रेमाख्यान परंपरा

Credit : 06

पाठ्यपुस्तकें एवं विशिष्ट अध्ययन

1. प्राचीन राजस्थानी काव्य का इतिहास : विकास एवं परम्परा
2. प्राचीन काव्य : विभिन्न काव्य शैलियां
3. राजस्थानी लोक काव्य शैली : प्रेमाख्यान परम्परा
4. राजस्थानी प्रेमाख्यान परम्परा : विविधि स्वरूप
5. भाषा कौशल के विकास में राजस्थानी काव्य दोषों का अध्ययन

समय : 3 घण्टे पूर्णांक – 70

पाठ्यपुस्तक

1. माधवानल कामकदंला चौपई : कुशललाभ : (संकलित अंश) प्रबंध पारिजात : सं. रावत सारस्वत

प्रश्न पत्र एवं अंक योजना

भाग – 'अ'

भाग 'अ' में 10 लघूत्तरात्मक प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को समेटते हुए – कोई आन्तरिक विकल्प नहीं है सभी प्रश्न करने अनिवार्य है। (शब्द–सीमा 50 शब्द अधिकतम प्रति प्रश्न) 2 X 10 = 20 अंक

भाग – 'ब'

भाग–'ब' में 10 प्रश्न होंगे। जिनमें से 5 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न हेतु 10 अंक निर्धारित हैं। प्रति प्रश्न शब्द सीमा प्रश्न के साथ अंकित है। 5 X 10 = 50 अंक

इकाई 1 :

प्रश्न सं.–11 'माधवानल कामकंदला चौपई' में से सप्रसंग व्याख्या

प्रश्न सं.–12 'माधवानल कामकंदला चौपई' में से सप्रसंग व्याख्या

इकाई 2 :

प्रश्न सं.–13 'माधवानल कामकंदला चौपई' में से सप्रसंग व्याख्या

प्रश्न सं.–14 'माधवानल कामकंदला चौपई' में से सप्रसंग व्याख्या

इकाई 3 :

प्रश्न सं.–15 'माधवानल कामकंदला चौपई' आलोचनात्मक प्रश्न (अधिकतम शब्द–सीमा : 500 शब्द)

प्रश्न सं.–16 'माधवानल कामकंदला चौपई' आलोचनात्मक प्रश्न (अधिकतम शब्द–सीमा : 500 शब्द)

इकाई 4 :

प्रश्न सं.–17 प्राचीन राजस्थानी काव्य परंपरा : परिचय परिस्थितियां, प्रवृत्तियां (अधिकतम शब्द–सीमा : 500 शब्द)

प्रश्न सं.–18 प्राचीन राजस्थानी रचनाएं एवं रचनाकार : परिचय (अधिकतम शब्द–सीमा : 500 शब्द)

इकाई 5 :

प्रश्न सं.–12 राजस्थानी राजस्थानी प्रेमाख्यान परंपरा : विभिन्न काव्य रूप : परिचय प्रमुख रचनाएं और रचनाकार (अधिकतम शब्द–सीमा : 500 शब्द)

प्रश्न सं.–13 राजस्थानी काव्य के काव्य–दोषों का परिचय, उदाहरण सहित (अधिकतम शब्द–सीमा : 500 शब्द)

पाठ्य पुस्तकं :–

1. 'माधवानल कामकंदला चौपाई' (संकलित अंश) : प्रबंध पारिजात सं. रावत सारस्वत,
   प्रकाशक : राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर

<u>अभिप्रस्तावित ग्रन्थ</u>

1. राजस्थानी भाषा और साहित्य : डॉ. मोतीलाल मेनारिया
   प्रकाशक : राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर
2. रघुनाथ रूपक : (सं.) महताब चंद खारेड,
   प्रकाशक : साहित्य अकादमी, नयी दिल्ली